From:

Director (Plg.) MPR/TC,
D.D.A. Vikas Minar N. DELHI-2
Dy.No. 1872
Dated 20-3-12

सुझाव

मास्टर प्लान दिल्ली -2021

Dy. Dir. (Plg.) MPPR-2021
DDA Vikas Minar N. Delhi
Dy. No. 1511
Dt. 27-3-12

नाम = प्रेमचन्द

पता = 70-96 जी० बी० पन्त अस्पताल
स्टाफ क्वार्टर नई दिल्ली -110002

फोन = 9868350477
9718599047

To

The Director (Plg.) MPR
DDA, 6th Floor,
Vikas Minar, IP Estate
New Delhi-2

[signature] 20/3/12
AD(Plg) MPR

MPD 2021

"दिल्ली में बरसात"

एक समस्या और उसका समाधान

...ब बारिश होती है तो यहां की सड़क नरक बन जाती है ...जगह पानी भर जाता है इस वजह से हर जगह ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस पानी को निकालने के लिए सरकार को हर साल करोड़ों रु॰ खर्च करने पड़ते है। इन परेशानियों से बचने के लिए मेरे पास एक सुझाव है जिस पर अमल करके इन परेशानियों से बचने के साथ-साथ दिल्ली में पानी की कमी भी दूर हो सकेगी।

सुझाव

पूरी दिल्ली में एक अनोखे किस्म का पाइपलाइन सिस्टम बिछाना पड़ेगा जिससे बारिश का पानी इस सिस्टम से होते हुए सीधे जमीन के अन्दर जाएगा तथा दिल्ली के भूमिगत जलस्तर में बढ़ोतरी करेगा। इस सिस्टम को बनाने का तरीका निम्नलिखित है।

1) पाइप डालने के लिए लगभग 7 फुट गहरा गड्ढा खोदो।
2) गड्ढे में तीन फुट तक ईंट के छोटे-छोटे टुकड़े बराबर रूप से भरें।
3) इन टुकड़ों पर अनोखे किस्म के पाइप डालो (इन पाइपों में नीचे की तरफ छोटे-छोटे छेद होंगे)
4) इसके बाद फिर ईंट के छोटे-छोटे टुकड़ों से गड्ढे को पूरा भर दो
5) पाइपलाइन के बीच-बीच में चेम्बर बनाओ जिसका तल नीचे से खुला हो यानी तल पर सीमेन्ट का फर्श नहीं बनाना जिससे बारिश का पानी जमीन में जा सके।
6) दिल्ली के पुरानी बावड़ियों, झीलों तथा तालाबों को फिर से ठीक करना होगा। और हो सके तो जहां जगह मिले

MPD-2-21

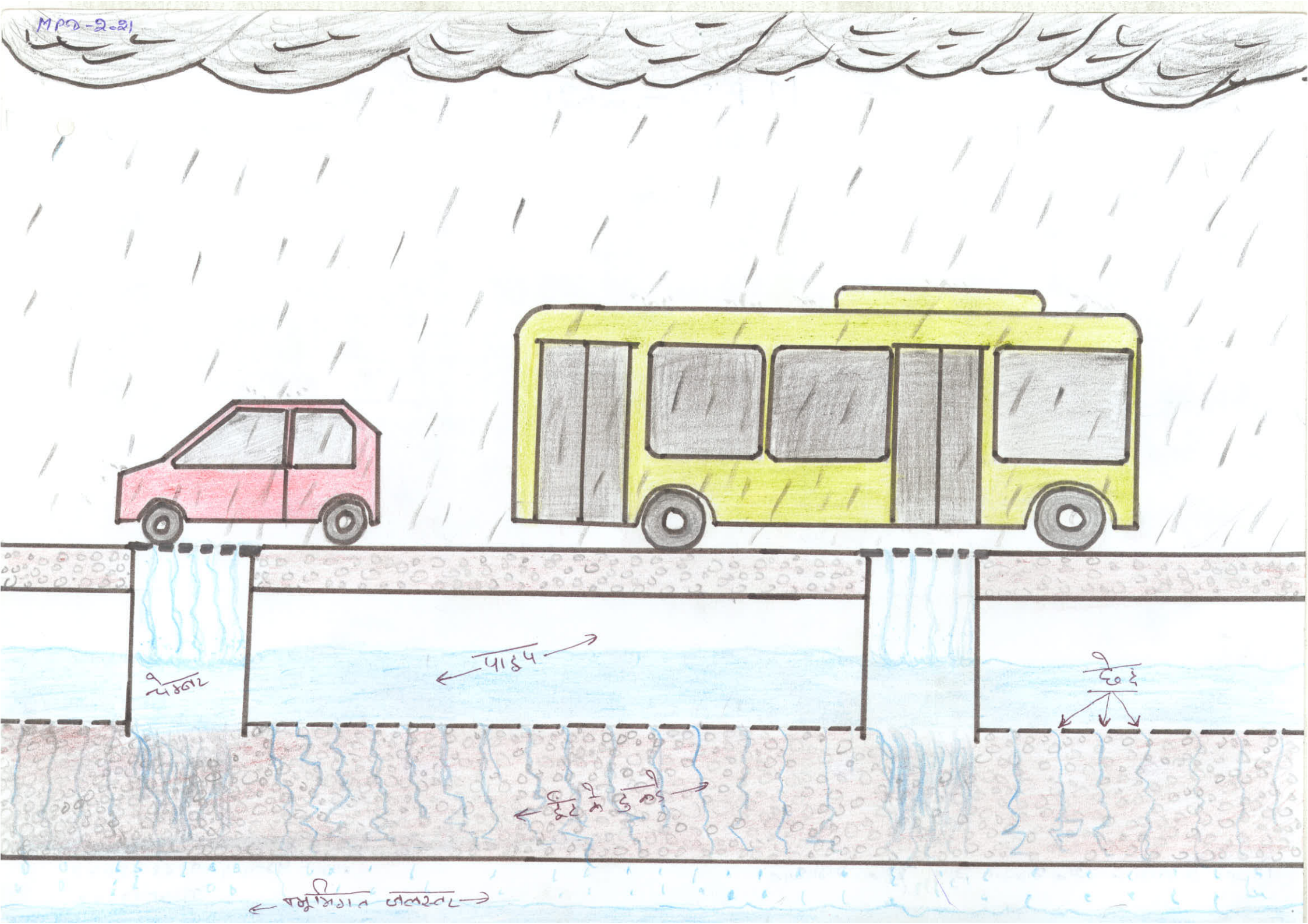

~~[illegible]~~ बड़ा नई बावड़ियां, झीलों तथा तालाब का निर्माण किया जाए।

7) पाइपलाइनों को इन बावड़ियों, झीलों तथा तालाबों से जोड़ा जाए।

पाइपलाइन सिस्टम की कार्यप्रणाली

बारिश का पानी पहले चैम्बर में आएगा। चैम्बर का तल कच्चा होने के कारण कुछ पानी यहां से जमीन के अन्दर जाएगा। बाकी बचा पानी पाइप में जाएगा। तथा पाइप में छेद होने के कारण पानी ईंट के टुकड़ों से बनी छत से होता हुआ जमीन में चला जाएगा। तथा लास्ट में बचा पानी बावड़ियों, झीलों, तथा तालाबों में जाकर गिरेगा।

ये सिस्टम इतना कारगार ~~तमाम~~ है कि 90% से ज्यादा पानी जमीन के अन्दर चला जाएगा। जिससे भूमिगत जलस्तर में काफी सुधार होगा।

सबसे अन्त में तालाबों तथा झीलों के आसपास के क्षेत्र को एक अच्छे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। इन तालाबों तथा झीलों से ही आसपास के शहरों में पीने के पानी की सप्लाई की जाए।

नाम = प्रेमचन्द
पता = 70-96 डॉ० लो० पंत
अस्पताल नई दिल्ली-2
फोन = 9868350477
9718599047